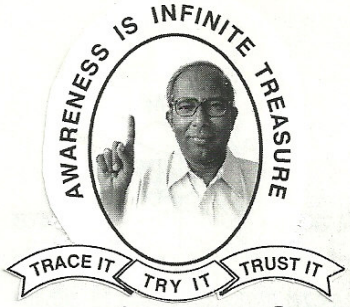

AWARENESS IS INFINITE TREASURE

TRACE IT TRY IT TRUST IT

जागरूक जीवनयापन की कला श्रंखला परिपत्र: श्रीमिशन का उपहार

अपना स्वर्ग सहज और नि:शुल्क बनायें

✻एक ही संतान वाले परिवार के 70 लाभ ✻

भूख, पानी का अभाव, अशिक्षा, बदती हुई अराजकता, प्रांतीय विवाद, असंतोष, स्पर्धा, प्रदूषण .... इन सभी असीमित समस्याओं का प्रमुख कारण विश्व की बढ़ती हुई आबादी है। आबादी को रोकने की जिम्मेदारी न केवल हर देश के सरकारों पर है, अपितु देश के हर सचेत नागरिक की भी है। किसी भी परिवार की असली ताकत उसके वित्तीय शक्ति से होती है न कि सदस्यों के संख्या से। इस धरती पर नवविवाहित दम्पतियों को अपना स्वर्ग स्वयं बनाने का नि:शुल्क निदान है- एक मात्र संतान का होना। एक ही संतान वाले परिवार के फायदे:-

संतान को लाभ - संतान का लालन पालन आप अपने सपनों के अनुरूप कर सकते है। एक ही बच्चे पर ध्यान केंद्रित होने के कारण उसके गलत रास्ते पर जाने से रोका जा सकता है। माता या पिता, किसी भी एक की मृत्यु होने पर दूसरा बिना किसी आर्थिक परेशानियों के बच्चे का लालन पालन कर सकता है। दोनों ही माता पिता के मृत्यु पर भी एक मात्र बच्चे का भरण पोषण कोई भी रिश्तेदार कर सकता है। एक ही संतान के चलते जनसंख्यामें कटौती होगी। स्कूल, कालेज और नौकरी में आरक्षण की आवश्यकता नही होगी। यदि किसी कारणवश बच्चे को अच्छी नौकरी न मिल सके तो वह आसानी से अपने माता पिता या अन्य रिश्तेदारों के पेशे को अपना सकता है। बेरोजगारी की समस्या नही रहेगी। एक मात्र संतान को शादी के लिये मनपसंदीदा प्रस्ताव मिल सकेगा। एक मात्र संतान के जन्म के लिये प्रयास, और सुरक्षा के कारण बाल मृत्युदर में कटौती होगी। एक मात्र संतान पर माता पिता का पूरा ध्यान केंद्रित होने के कारण बच्चे का चौतरफा मानसिक और शारीरिक विकास हो पाता है।

माता पिता को लाभ - आपका एक मात्र बच्चा बुढ़ापे का सहारा बनेगा। आपका बुढ़ापा सुरक्षित और सुखमय होगा क्यों कि वह आपकी देखरेख अच्छि जिम्मेदारी के साथ करेगा। मां बाप के बीच तलाक की सम्भावना कम रहेगी क्यां कि दोनों का प्यार अपने एक मात्र संतान पर ही केंद्रित होगा। यहां तक कि अपने एक मात्र बच्चे के लिए प्यार की वजह से तलाक शुदा मा बाप का पुर्नमिलन सम्भावित होगा। वृद्धावस्था के जीवन स्वरूप में बदलाव आयेगा।

पिता को लाभ - अपनी पत्नी के आकाँशाऔ और सपनों को पूरा कर सकते है। पारिवारिक बंधन से जल्द मुक्त हो सकेंगे और बचे समय का अपनी इच्छानुसार सदुपयोग कर सकेंगे।

माँ को लाभ - गृहणियों को घर का कामकाज कम रहेगा। एक मात्र संतान के जन्म के पश्चात वे अपनी मनपसंदीदा नौकरी या कोई भी कार्य करने के लिए बिल्कुल मुक्त हो सकेंगी। एक मात्र बच्चे के जन्म के कारण दोनों की सेहत अच्छी रहेगी। बार बार होनेवाली प्रसवपीदा से मुक्ति मिलेगी। मां के द्वारा लिये जानेवाले सावधानी और सुरक्षा प्रयासों के कारण जच्चा बच्चा के मृत्यदर में कटौती होगी। एक मात्र संतान को भावना/विचार से स्त्रियों को भी सम्पत्ति जायदाद मे बारबार का हक मिलेगा।

पूरे परिवार को लाभ - भुखमरी से बचेंगे। बच्चे को पढ़ाने का पूरा अवसर मिलने की वजाह से कोई परिवार अशिक्षत नही होगा। पानी के अभाव में भी पानी की अवश्यकता कम रहेगी। अधिकतम सुख, शांति और फुरसत का अनुभव करेंगे। पूरा परिवार अपने सपनों को भली भांति साकार कर सकेगा। मां बाप शीघ्र ही पारिवारिक बंधनों से मुक्त हो सकेंगे। परविार में आपसी कलह नही रहेगी और परविार का हर सदस्य दीर्घायु हो सकेंगे। चिंताओं, परेशानियों और जन जीवन के मानसिक तनावों से छुटकारा मिलेगा। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। दहेज समस्या, तलाक, कलह और नारी प्रतारणा में कमी होगी। सास-बहु के झगड़ों का अंत होगा। संयुक्त परविार में सभी प्यार और शांति से रहना चाहते हैं लेकिन यह सम्मव नही होता लेकिन एक ही संतान के होते यह सम्भव होगा। इसका कारण एक मात्र संतान ही है जो सबकी नजरों का प्यारा बना रहेगा। जीवन के दायित्व का निर्वाह आसानी से किया जा सकेगा। अधिक बच्चों के शक्ति प्रर्दशन को तुलना में एक ही संतानवाले परिवार को अधिकतम लाभ प्रदान होंगे।

आवास सुविधा - छोटा घर ही पर्याप्त होगा। छोटे घर पर कम खर्च की वजह से, आपके बचत में वृद्दि होगी और पूर्व मेंही उपयुक्त आवास की व्यवस्था करने में सुविधा रहेगी। अतिरिक्त गृह निर्माण की आवश्यकता नही रहेगी।

जायदार सम्बंधी लाभ - वसीयत लिखने की जरूरत नही पड़ेगी। एक मात्र संतान के साथ संयुक्त बैंक खाते, संयुक्त निवेश और संयुक्त स्टाक निवेश किये जानेके कारण प्रथक से मनोनयन की आवश्यकता नही पड़ेगी। यदि किसी एक की मृत्यु भी हो जाये तो लम्बे चौडे कानूनी दांव पेंच और अड़चनों का सामना नही करना पड़ेगा और इसतरह समय और पैसों की बचत होगी। भविष्य में होनेवाले कानूनी परेशानियों से बचने के लिये चल और अचल सम्पत्ति आसानी से तीन नामों में पंजकृित की जा सकती है। एक संतान वाले परिवार की सम्पत्ति हर पीढ़ी के साथ साथ अपने आप बढ़त कर जाती है।

समाज को लाभ - जन संख्या पर रोक लगने के कारण वायु प्रदूषण कम होगा और समाज का हर वर्ग ताजी हवा, स्वच्छ पानी का उपयोग करते हुये अधिक समय जीवित रहेंगे। अपंग बच्चों की जनसंख्या में कमी आयेगी। एक मात्र संतान को मां के स्तन पान का पौष्ठिक लाभ मिलेगा और इस तरह एक मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा। मानवीय मूल्यों में वृद्धि से समाज मे फैली गंदगी और अराजकता कम होगी। समाज में शिक्षा का प्रसार होने पर सृजनात्मक, बुद्दिसम्पन्न, वैज्ञानकि समाज और कर्मिर्यो का विकास होगा। मानवीय प्रेम, सदभावना और सामाजिक कार्यों को प्रोत्साहन मिलेगा। बाल विवाह, बाल श्रमिक भीख मांगने की प्रथा जैसे सामाजिक कुरीतियों का अंत होगा। भुखमरी सें सम्बधित देह व्यापार, आत्महत्या, आत्मदाह जैसे समस्याओं में कमी आयेगी।

सुख और स्वास्थ्य लाभ - परिवार में कम सदस्यों के होते संक्रामक रोग नही फैलेंगे और पूरे परिवार को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। कम खर्च के होते छोटै परिवार पिकनिक, यात्रा आदि का लाभ लेते हुये सुखों और मानसिक संतोष का अनुभव कर सकेंगे।

आर्थिक लाभ - एक मात्र संतानवाले परिवार को अधिकातम आर्थिक लाभ होता है। आपका खर्च कम और बचत अधिक होती है। सही मायनों में आप मानसिक और आर्थिक स्वतंत्रता का अनुभव कर सकते है। परिवार में आपसी स्नेह, अनुराग का बोलबाला रहेगा। यदि परिवार को चलानेवाला सदस्य एक अच्छी रकम का जीवन बीमा करा ले तो उसके आकस्मिक निधन पर परिवार के अन्य सदस्य बिना अर्थिक समस्या के जीवन यापन कर सकते है।

देश को लाभ - अन्तरजातीय / अन्तर राज्य के झगड़ों में कमी होगी। अविकसित देश, विकसित देश बनेंगे। परिवार नियोजन जैसे कर्यक्रमों पर सरकार का करोढो रूपर्या का खर्च बचेगा जिसे देश के अन्य विकास कार्यक्रमों में लगाया जा सकेगा।

चेतावनी - दो बच्चे वाले परिवारों की यथास्थिति बनी रहती है और दो से अधिक संतान वाले परिवार स्वयं ही विभिन्न समस्याओं को आमंत्रित करते हैं जबकि एक मात्र संतानवाले परिवार बिना किसी प्रयास के अपना स्वर्ग स्वयं ही बना लेते हैं, विशेषतः गरीब लोग।

अब आप स्वयं ही फैसला करें कि आप अपने परिवार में कितने सदस्य रखना पसंद करेंगे ?

	श्रीमिशन के उदैश्य		उनकी उपुयोगिता
१.	लघुत्म परिवार नियोजन	-	आपके सपनों के अनुरूप अपना स्वर्ग निःशुल्क.बनाये
२.	भुखमरी मिटायें	-	खर्च घटायें, स्वास्थ्य बढ़ायें
३.	अशिक्षा उन्मूलन	-	प्रकाशमय जीवन का आधार
४.	योगाभ्यास/चिंतन	-	अपने मन को वश में करें
५.	बुरी आदतों का परित्याग	-	जीवन संघर्षों से बचाव
६.	सादा जीवन यापन	-	अर्थपूर्ण जीवन का रहस्य
७.	विभिन्न संकटों से संघर्ष	-	अमूल्य जीवन और सम्पतियों का बचाव
८.	आत्म अनुशासन	-	जीवन को एक महत्वपूर्ण मोड़ देने का मंत्र
९.	युद्द का परित्याग	-	विश्व को एक सूत्र में बांधें
१०.	अहिंसा का पालन	-	प्रेम और शांति को फैलाये

एक संतान वाले परिवार के लाभ/दूसरा बच्चा किन पस्थितियों में हो, विस्तृत जानकारी हमारे वेबसाइट पर देंखें या ५०-०० रूपयों का मनीआर्डर भेजकर विस्तृत जानकारी इसपते से प्राप्त करें (कृपय मनीआर्डर फार्म पर अपना पूरा पता लिखें) श्रीमिशन, 7th ब्लाक् , एच.एम.टी लेआउट, विद्यारण्यपुरा, बेंगलोर-560097.

वेबसाईट: - www.srimission.org ई-मेल : - srimission@vsnl.net

फोन न. 080-23641839

संस्थापक : के.के.मूर्ती * अध्यक्षा : श्रीमती के.प्रमीला

(आप फोटो कापी / टेलिफोन/झेराक्स बूथ पर "श्रीमिशन का उपहार - जागरूक जीवन यापन की कला श्रंखला परिपत्र" का इश्तेहार लगा कर इस परिपत्र की फोटोकापी मात्र २/- रूपये में बेचकर अतिरिक्त आय कमा सकते है)